# इंजीनियरिंग कॉलेजों में दर्ज होगी बॉयोमिट्रिक उपस्थिति

**तैयारी**

- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय करेगा सख्ती
- इंजीनियरिंग कॉलेज उपस्थिति के नाम पर विद्यार्थियों को नहीं कर पाएंगे परेशान

जागरण संवाददाता, लखनऊ : इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की अब बॉयोमिट्रिक उपस्थिति दर्ज करवाई जाएगी। डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) खुद इसकी ऑनलाइन मानिटरिंग करेगा। नई व्यवस्था के लागू होने के बाद विद्यार्थियों को रेग्युलर कक्षाएं करनी ही पड़ेंगी। अगर वह कक्षाओं में नहीं आए तो उन्हें सेमेस्टर परीक्षा से वंचित कर दिया जाएगा। मगर उन्हें एक बड़ी सहूलियत यह भी होगी कि इंजीनियरिंग कॉलेज उन्हें बेवजह उपस्थिति कम दिखाकर परीक्षा में बैठने से रोकने की धमकी नहीं दे पाएंगे। अभी कॉलेजों से विद्यार्थियों की यह शिकायत आम रहती है कि उन्हें सेमेस्टर परीक्षा का प्रवेश पत्र बेवजह उपस्थिति कम दिखाकर नहीं दिया जा रहा। अब नई व्यवस्था लागू होने के बाद विद्यार्थियों को बेवजह परेशान नहीं किया जा सकेगा।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक विद्यार्थियों को एक के बाद एक सहूलियतें देने की व्यवस्था में जुटे हुए हैं। बॉयोमिट्रिक उपस्थिति दर्ज होने के से विद्यार्थियों को ही ज्यादा फायदा होगा। इंजीनियरिंग कॉलेजों में रेग्युलर कक्षाएं चलेंगी और विद्यार्थियों को बेवजह परेशान नहीं होना पड़ेगा। विश्वविद्यालय कॉलेजों से उपस्थिति का ऑनलाइन ब्यौरा लेगा और उसकी मानीटरिंग करेगा। अगर इंजीनियरिंग कॉलेजों ने अपने यहां पर प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या अधिक दिखाई और रेग्युलर कक्षाएं करने कम विद्यार्थी पहुंच रहे हैं तो इस पर भी उनसे पूछताछ की जाएगी। अगर उनके यहां पर फर्जी नामांकन पाए गए तो उस पर भी करवाई की जा सकेगी।

बॉयोमिट्रिक उपस्थिति दर्ज करवाने के पीछे मकसद यह है कि कॉलेज में पढ़ाई हो और विद्यार्थी रेग्युलर कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज करवाएं ताकि गुणवत्तापरक शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सके।